an>

Title: Need to declare 'Asha Bahus' serving as health workers in villages of Uttar Pradesh as State Government Employees.

श्री कौशल किशोर (मोहनलालगंज) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान "आशा बहुओं " की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश में "आशा बहुऐं " 24 घन्टे काम करती हैं। वे घर-घर जाकर प्रेग्नैन्ट महिलाओं का टीकाकरण करती हैं, बच्चों को पोलियो का ड्रॉप भी पिलाती हैं, वे महिलाओं की सेवा करने के लिए हर समय तैयार रहती हैं। जब रात में महिलाओं की डिलीवरी की संभावना रहती है तो उन्हें फोन किया जाता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण इलाकों से किसी तरह वे प्रेग्नैन्ट महिलाओं को लेकर अस्पताल तक आती हैं। अस्पतालों में जो सी.ए.सी. और पी.ए.सी. हैं, वहां उनको ठहरने के लिए आवास नहीं बनाया गया है। जब वे वहां पर जाती हैं तो नर्सेज उनसे बदतमीजी करती हैं और डॉक्टर्स भी उनसे बदतमीजी करते हैं। उनको पैसा नहीं दिया जाता है। जच्चा को जो पैसा मिलता है, उसमें से भी नर्सें पैसा ले लेती हैं। वे कभी-कभी उन्हें बड़े अस्पतालों के लिए रेफर कर देते हैं। उनसे जिला अस्पतालों में भी बदतमीजी की जाती है। वहां पर "आशा बहुओं " और प्रेग्नैन्ट महिलाओं से मार-पीट तक की जाती है। उनकी स्थिति बहुत खराब है। "आशा बहुऐं " नर्सेज से भी ज्यादा काम करती हैं।

मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान "आशा बहुओं " की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं और मांग करता हूं कि "आशा बहुओं " को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उनको राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए। "आशा बहुओं " का जितना भी बकाया है, वे सब दिए जाएं। टीकाकरण और पोलियो ड्रॉप का जो पैसा उनको नहीं मिला है, जो बकाया राशि है, वह पैसा भी उन्हें उपलब्ध कराया जाए। मैं आपके द्वारा सरकार से यह मांग करता हूं।